

थारो राम हृदय माहिं बाहर क्यो भटके

ज्यो तिल में तेल है,
और ज्यो चकमक में आग,
तेरा साईं तुझ मायने,
भाई जाग सके तो जाग।
मनवा पतडो दूर है,
आडी पड़ी है रात,
क्या जाणे क्या होवसी,
भाई उगतड़े परभात।
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके,
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके,
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके।

ऐसा ऐसा हीरला घट माह कहिए जी,
जौहरी बिना हीरा कुण परखे,
जौहरी बिना हीरा कुण परखे,
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके,
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके।
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माहिं बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माहिं बाहर क्यो भटके

ऐसी ऐसी आग पत्थर माहि कहीजे जी,
बिना घस्ये आग कैसे निकले,
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके,
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके।

ऐसा ऐसा घिरत दूध माहिं कहीजे,
बिना बिलोया माखण कैसे निकले,
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके,
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके।

ऐसा ऐसा किवाड़ हिवड़े पर जड़िया,
गुरु बिना ताला कुण खोले,
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके,
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके।

थारो राम हृदय मांही बाहर क्यो भटके

कहत कबीरा सुणो भाई साधो,
कहत कबीरा सुणो भाई साधो,
राम मिले थाणे कुण अटके,
थारो राम हृदय माहिं, बाहर क्यो भटके,
क्यो भटके, बाहर क्यो भटके
थारो राम हृदय माही, बाहर क्यो भटके

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22221/title/thaaro-ram-hirdey-maahi-bhaar-kyu-bhatke>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |